एकल नारी शक्ति संस्थान, राजस्थान

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

क्षेत्रीय कार्यालय- 3, पीपल्दा हाऊस, राजभवन रोड़, कोटा (राज.) 324001 पंजिकृत कार्यालय- 39, खारोल कॉलोनी, उदयपुर (राज.)
Ph.: 0744-2450726, **Email:** enssrajasthan@gmail.com, ensskota@gmail.com, **web.:** www.strongwomenalone.org

अनुक्रमणिका

क.सं.	विवरण	पेज नं0
1.	➢ आवरण पृष्ठ	0
2.	➢ अनुक्रमणिका	1
3.	➢ संस्थान की पृष्ठभूमि, लक्ष्य, उद्देष्य	2
4.	संस्थान की गतिविधियॉ ▪ कोरोना राहत कार्य ▪ कोराना योद्वाऐ एकल महिलाऐं (केस स्टडी)	3–5
5.	➢ संस्थान की नियमित बैठके – कार्यकारिणी, स्टाफ मिटिंग, पंचायत बैठके	6–7
6.	➢ सफल केस स्टडी – देश को आगे बढाना है, भ्रष्टाचार मिटाना.....	7
7.	➢ विशेष कार्यक्रम – ▪ बहिनादूज जश्न बहिनचारें को....... ▪ अर्न्तराष्ट्रीय विधवा दिवस... ▪ बच्चों पर हो रही हिंसा पर अभियान	8–11
8.	➢ सर्वे व शोध – ▪ हंगर वाच सर्वे ▪ एकल महिलाओं की स्थिति पर सर्वे...	12
9.	➢ एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ता प्रशिक्षण ➢ महिला किसान जागरुकता कार्यक्रम	12–13
10.	➢ सफल केस स्टडी – पिता की जमीन पर बेटी का अधिकार.....	14
11.	➢ अन्य स्वंयसेवी संस्थाओं के साथ नेटवर्किगं ...	15
12.	➢ महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र	16
13.	➢ सस्थान की उपलब्धियॉ व एकल महिलाओं द्वारा किये गयें कार्यो के आंकडे	16 –19
14.	➢ इस वर्ष के मुद्दे व चुनौतिया ...	20
15.	➢ स्वास्थ्य बीमा संस्थान वोलियन्टर्स की लिस्ट	21–22
16.	➢ मिडिया कवरेज	23
17.	➢ एकल महिलाओं पर किये गये सर्वे की संक्षिप्त रिर्पोटस	24–28

एकल नारी शक्ति संस्थान– राजस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन
1 अप्रेल 2020– 31 मार्च 2021

❖ पृष्ठभूमि –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की गरीब मजबूत एकल महिलाओ की मजबूत संस्थान है। जिसमे सभी आय, वर्ग, धर्म व जाति की बहिने जुडी हुई है। संस्थान राजस्थान मे एकल महिलाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से पिछले 19 वर्षो से कार्य कर रही है।

सस्थान द्वारा एकल महिलाओं के सषक्तिकरण, उन्हें मजबूती प्रदान करने व एकल महिलाओं के समस्या समाधान, व पिड़ित व वंचित समूह के लिए राहत कार्य के उद्देश्य से 1 अप्रेल 2020 से 31 मार्च 2021 तक विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित गतिविधियां क्रियान्वित की गई। इस वर्ष कोराना काल के कारण सामूहिक गतिविधियॉ कम की गई, लेकिन कोविड –19 राहत कार्य काफी किये गये।

संस्थान का लक्ष्य

सभी समाज की गरीब एकल महिलाऐं पारस्परिक सहयोग से अपनी शारीरिक मानसिक,पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक एंव कानूनी स्थिति में सुधार लाकर सशक्त नागरिक बने ओर गुणवत्तापूर्ण जीवन जीयें। इस संघर्ष की प्रक्रिया में अपने में और समाज में शक्ति का संचार करे।

संस्थान के उद्देश्य

- ❒ एकल महिलाओं को सम्मान से जीने का अधिकार दिलाना।
- ❒ सम्पत्ति और जमीन का अधिकार दिलाना और उन्हें अत्याचार से मुक्ति दिलाने का प्रयास।
- ❒ एकल महिलाओं मे शक्ति का संचार हो सके, इसलिए उन्हे एकल नारी शक्ति संस्थान से जोड़ना व संगठित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित करना।
- ❒ एकल महिलाओं से जुड़ी पारंम्परिक कुरितियों एंव रुढ़िवादिता मे बदलाव लाना।
- ❒ एकल नारी हितैषी योजना/कानून लागू करवाना एंव बेहतर क्रियांवयन करवाना।
- ❒ कानून की नितियों एंव सरकारी योजनाओं से लांभान्वित करने के लिए एकल महिलाओं की मदद करना।
- ❒ सामूहिक प्रयास से आय संवर्धन योजनाओं को लागू करवाना, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिल सके।

इस वर्ष की संस्थान की गतिविधियाँ

कोराना राहत कार्य :

22 मार्च 2020 को कोविड–19 के कारण देश मे लोकडाउन लग गया था। उसके बाद कुछ माह के लिए सामूहिक गतिविधियॉ नही हो सकी, परन्तु संस्थान के वोलियन्टर्स, कार्यकर्ताओं नें पिड़ित, वंचित समुदाय व एकल महिलाओं के लिए कोविड–19 राहत कार्य जारी रखा और संगठित होकर हजारों एकल महिलाओं की व वंचित वर्ग की मदद की।
साथ ही लोकडाउन के समय राजस्थान सरकार व केन्द्र सरकार के द्वारा लोगो की मदद व राहत पहुॅचानें हेतू कई आदेश जारी हुऐ उनकी पालना जमीनी स्तर पर हो रही है या नही इसके बारें मे जानकारी ली गई, ओर मुश्किल भरे समय मे एकल महिलाओं के साथ अन्य पिड़ित लोगो को राहत पहुॅचाने के पुरजोर प्रयास किये गये। कोविड के समय संस्थान सदस्यो द्वारा किये गये मुख्य कार्य

अप्रेल से जून 2020 तक कोरोना राहत कार्य :

- कोटा शहर की 18 बस्तियो मे सीआईआई फाउन्डेशन के सहयोग से संस्थान द्वारा 350 गरीब एकल महिला, दिहाडी मजदूर परिवारो को एक माह की राशन सामग्री व 1750 मास्क वितरण किये गये। इन 350 परिवारो मे 181 एकल महिला परिवार थे। इन 350 सदस्यो के परिवारो मे कुल 1560 परिवार सदस्य थे, जिन्होंने संस्थान द्वारा दी गई सामग्री का उपयोंग किया।
- जिन क्षेत्रों मे वंचित समूह तक राशन सामग्री वितरण नही हो पा रही थी, उन क्षेंत्रों मे 3438 एकल महिलाओं को सूखी राशन सामग्री दिलवायी। यह सामग्री सरपंच, सचिव, दानदाता, नगरपालिका, स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से वंचित एकल महिला परिवारों को दिलवाने मे सहयोग किया।
- 6250 मास्क व 200 हाथ धोने हेतू साबुन अन्य संस्था/संगठनो के सहयोग से वितरण करवाये।
- भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर ब्लाक के सिहाणा गांव मे एक परिवार के पास खाने का कुछ नही था, संगठन सदस्य ने 181 पर कॉल करके शिकायत दर्ज करवायी तो दूसरे दिन सारा प्रशासन वहा आ गया। ओर महिलाओं को खाने पीने की सामग्री का इन्तजाम करवाया।
- टोंक शहर मे प्रेमलता जी ने कफर्यू क्षेत्र मे राशन सामग्री उपलब्ध नही होने की स्थिति मे एसडीएम को सूचना देकर वार्ड मे राशन वितरण करवाया।
- सोजत सीटी के वार्ड नं0 25 मे संगठन सदस्य गीता गरीब लोगो को फ्री सब्जी वितरण करती हैं।
- बून्दी जिले व झालावाड़ जिले की संगठन सदस्यो ने अपनी –अपनी पंचायत मे मास्क व साबुन एकल महिलाओं को वितरीत किये।
- 32 पंचायतो को संस्थान वोलियन्टर्स द्वारा प्रषासन को फोन पर सूचना देकर सेनेटाईज करवाया।

विशेष कोराना योद्वाऐं एकल महिलाऐं (केस स्टडी)

हौंसला व जज्बां हो तो उम्र कोई बाधा नहीं....

मुशकिलो के तुफान चाहे जितने हो जाये, हौसलो की डोर को मत छोड़ना तुम....

गजराज कंवर उम्र 66 वर्ष जाति राजपूत निवासी गोविन्दनगर, कोटा की विधवा एकल महिला है। गजराज कंवर के 2 लड़किया व दो लड़के है, सभी की षादी हो गई। लड़के खुली मजदूरी करते है, आर्थिक स्थिति भी इतनी ठीक नही है। राजपूत समाज मे होने के कारण कभी घर की दहलीज लांघने का मौका नही मिला। ओर फिर 2009 मे पति की मृत्यु के पष्चात् काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जीवन साथी से बिछड़ने के बाद जीवन मे बहुत निरषता आ गई थी। इस उम्र मे भी बाहर निकलने पहनने ओढ़ने सब पर प्रतिबंध था। जब यह 2010 मे एकल नारी षक्ति संगठन से जुड़ी तब तब उन्होंने देखा कि उनकी जैसी हजारों एकल महिलाऐं दुखी ओर परेषान है, ओर संगठन के प्रषिक्षणो व बैठको मे जाकर उनमें एक आत्मविष्वास आया। उसके बाद यह कभी नही रुकी, स्वंय के दुख, बीमारी व चिन्ता भूलकर लोगो की सेवा मे लग गई।

कोराना काल मे लोगो का दुख देखा नही गया, सभी ने उनकों बहुत रोका की 60 साल की उम्र वालों को कोराना होने का बहुत खतरा है। परन्तु गजराज जी ने कहा कि जीना मरना तो एक बार ही है कैसे भूखे व मजबूर लोगो को देख सकते है **मानवता ही परमधर्म है**, और अपने साथ 2–3 एकल बहिनों को साथ मे लेकर कर्फयू होने के बाद भी कई किलोमीटर पैदल चल–चल कर कच्ची बस्तियॉ में गरीब एकल महिला, वंचित वर्ग के लोगो का सर्वे किया, उनकी सूची बनायी ओर ,दानदाताओं, भामाषाहों व सरकार द्वारा मिलने वाले लाभ व सामग्री को 510 गरीब वंचित परिवारों तक पहॅुचाया। उनके इस काम मे उनकी 18 वर्षीय पोती तेजकंवर ने काफी सहयोग किया। गजराज कंवर कहती है कि संगठन मे आने के बाद मेरा नजरिया बिल्कुल बदल गया है। मै हमारे समाज के लोगो को कहती हॅू कि घूंघट प्रथा छोड़ के अपनी बेटी व बहुओं को सषक्त बनाओं ताकि वह विपरित परिस्थितियों से लड़ने के लिए तत्पर रहे। गजराज कंवर की उम्र व उनकें जज्बे को सलाम है वह इस कोराना काल मे कोराना योद्वा बनकर उभरी है। उन्होंने लोगो को राहत देने के लिए दिन रात मेहनत की है।

अपने लिए जीये तो क्या जीये..........(केस स्टडी)

कला देवी माली, राजसमन्द जिले के खमनौर ब्लाक की मोलेला पंचायत की 60 वर्षीय विधवा एकल महिला है। कला देवी 2017 से संगठन से जुड़ी हुई है, सेवाभाव की भावना कला देवी मे हमेंषा से कूट–कूट कर भरी हुई है, परन्तु जब से संस्थान से जुड़ी तब से उनमें जोष आत्मविष्वास ओर उत्साह और बढ़ गया, और उन्होंने गांव की गरीब एकल महिलाऐ व वंचित गरीब लोगो को बहुत

सहयोग किया। जिससें उनकी गांव मे एक अलग ही पहचान बन गईं। राजस्थान मे 2019 मे हुऐ पंचायती राजचुनाव मे कला देवी गांव के लोगो के कहने पर निर्विरोध वार्ड पंच के लिए चुनी गई, ओर जब उपसरपंच का चुनाव किया गया तो उसमे कला देवी 9 वोटो से जीत कर उपसरपंच बनी। कोराना काल मे जब 60 वर्ष के लोगो को घर से बहार नही निकलने की सलाह दी जा रही थी। ऐसी स्थिति मे कला देवी अपनी पंचायत के लोगों को भूखे तड़पते कैसे देख सकती थी। उन्होंने अपने पंचायत के साथी सरपंच, सचिव व अन्य सहयोगियों को साथ मे लेकर गांव मे दानदाताओं व भामाषाहों से 2 लाख रुपये से अधिक का चन्दा एकत्रित किया। ओर अपने गांव के 300 से अधिक भूखे, गरीब व वंचित लोगों तक आटा, दाल, चावल, तेल व अन्य आवष्यक खाद्य सामग्री के किट पहुॅचाये। इस मुसिबत के समय कला देवी ने सबको संगठित कर एक बहुत ही सराहनीय प्रयास से गांव के लोगो को राहत पहुॅचायी। और गांव के लोगो ने उन्हें कोरोना यौद्वा का सम्मान दिया। कला देवी कहती है कि सब संगठन की ताकत से हुआ और अपने लिए जीये तो क्या जीये।

लोंगो को भूखा देखकर घर मे की सामूहिक रसोई शुरु– (केस स्टडी)

‘‘मर कर भी किसी के काम आये इसके लिए किया देहदान’’ – गीता प्रजापति

गीता प्रजापति उम्र 50 वर्ष निवासी प्रेमनगर कोटा षहर की विधवा एकल महिला है। और पिछले 5 साल से एकल नारी षक्ति संस्थान से जुड़ी हुई हैं, जब से संस्थान से जुड़ी है तभी से एकल महिलाओं के हित उनके अधिकारों और संघर्ष की लड़ाई के लिए तन, मन व धन से जुटी हुई है। कोराना काल में जब लोकडाउन हुआ उस समय सब लोग अपने घरों मे अपनी सुरक्षा को लेकर डरे सहमे थे। उस समय गीता ने अपने आसपास बस्ती के लोगो, महिला व बच्चों को जब भूख से तड़पते देखा तो अपने घर पर ही सामूहिक रसोई की षुरुआत की ओर मिलजुल कर खाना बनाया ओर लोगो को वितरण भी किया। 15 दिन तक 213 लोगो को अपने स्तर पर स्वंय भोजन करवाया व साथ ही कुछ सूखी राषन सामग्री भी वितरण की। कारोना काल मे गीता प्रजापति अपने आस–पास रहने वाले लोगों के लिए कोराना योद्वा की तरह लड़ी ओर उनको इस बुरे समय मे एक बडा सहयोग किया। साथ ही अभी हाल ही में 31.12.2020 को उन्होंने षाईन ईण्डिया फाउन्डेषन के तहत् अपना देहदान संकल्प पत्र भी भरा। उनका कहना है कि मैं अपना पूरा जीवन दूसरों की मदद व सहयोग के लिए समर्पित करना चाहती हुॅं, लेकिन मै मर कर भी किसी के काम आयी तो मेरा जीवन सार्थक होगा। ओर बाकि लोगो को भी उन्होंने इसके लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह सराहनीय कदम उठाकर यह साबित कर दिया कि महिलाऐं किसी मायने मे कमजोर नही है।

गीता प्रजापति देहदान प्रमाणपत्र व एकल महिला वोटियन्टर्स के साथ

नियमित बैठके

▪ कार्यकारिणी सदस्य बैठके –

इस वर्ष संस्थान की कार्यकारिणी सदस्यों की 4 बैठके आयोजित की गई। जिसमें कोविड–19 के कारण संस्थान की कार्यकारिणी सदस्यों की ज्यादातर बैठके ऑनलाईन व जूम मिटिंगस द्वारा ही आयोजित की गई। इन बैठकों मे संस्थान सम्बन्धित आवश्यक निर्णय, कोराना राहत कार्य, संस्थान की आगामी कार्यनिति व विषेष समस्या ओर उनके समाधान के बारें मे चर्चा की गई।

इस वर्ष मे आयोजित की जाने वाली कार्यकारिणी सदस्य बैठके :–

क्र0सं0	बैठको की तारीखें	संभागी	विवरण
1.	08.05.2020	12	जूम ऑनलाईन मिटिंग
2.	18.06.2020	10	ऑनलाईन
3.	01.07.2020	09	ऑनलाईन
4.	03.09.2020	10	आस्था प्रशिक्षण केन्द्र बेदला, उदयपुर में
5.	24.02.2021	10	ऑनलाईन बैठक

जूम मिटिंग करती कार्यकारिणी सदस्य

▪ स्टाफ बैठके –

स्टाफ मिटिंग करती संस्थान के वोलियन्टर्स

जुलाई 2020 से 31 मार्च 2021 तक 3 समूहों मे संस्थान वोलियन्टरर्स व ब्लाक नैतृत्वकर्ताओ की कोरोना गाईड लाईन की पालना करते हुऐं प्रतिमाह आयोजना बैठके आयोंजित की गई। जिसमें एकल महिलाओं के लिए कार्य करने की कार्यनिति, प्रतिमाह के कार्य की कार्य रिर्पोट, मार्गदर्शन, एकल महिला सशक्तिकरण की गतिविधियॉ, समस्या व समाधान पर चर्चा की गई। इस वर्ष में 12 के स्थान पर 9 वोलियन्टर्स बैठके आयोजित की गई।

▪ पंचायत स्तरीय बैठके :

पंचायत स्तरीय बैठक लेती हुए सदस्याऐं

संस्थान एकल महिला वोलियन्टर्स व एकल महिला लीडर्स द्वारा राजस्थान के 98 ब्लाकों की 392 पंचायतों मे जुलाई 2020 से मार्च 2021 तक प्रतिमाह एकल महिला लीडर्स बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्हे ंकोरोना महामारी से बचाव के उपाय, राशन, पेंशन, महिला हिंसा, महिलाओं के अधिकार, बाल शोषण, पोषाहार वितरण, नरेगा आवेदन, एकल महिला मुद्दें, रोजगार व एकल महिलाओं की समस्या व समाधान पर चर्चा की गई व एकल महिलाओं को राहत पहॅुचाने के पूर्ण प्रयास किये गये। बैठको मे कुल एकल महिला सम्पर्क 43283, सदवा महिला 11094, पुरूष 4791, जनप्रतिनिधी 3067 ने भाग लिया।

(सफल केस स्टडी)

देश को आगे बढ़ाना है तो, भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना है.....।

प्रेमवती बाई ग्राम पंचायत नखसोदा तहसील बाडी जिला धौलपुर की रहने वाली विधवा एकल महिला है। संस्थान से 7 साल से जुडी हुई है। प्रेमवती बाई भले ही पढ़ी लिखी नही है, पर वह अपने अधिकारों के बारें मे अच्छे से जानती है, ओर किसी से भी नही डरती है। गांव में सभी एकल महिलाओ की मदद करने को हमेषा तत्पर रहती है। अभी कोराना काल मे जून 2020 मे नखसोदा गांव में नरेगा का कार्य चल रहा था। वहां पर मेट केशव मेहर नाम का व्यक्ति सभी गरीब एकल महिलाओं से 100–100 रूपया हर मिस्ट्रोल पर ले रहा था। प्रेमवती ने इसका विरोध किया तो उसकी मिस्ट्रोल का पैसा काटने लग गया। प्रेमबती ने यह बात संस्थान कार्यालय कोटा में बताई तो आफिस से कार्यकर्ता द्वारा बाडी के ब्लाक बीडीओ से इस बारें मे बात की गई। ओर उन्हे संस्थान के कार्य व प्रेमवती द्वारा बताई गई समस्या से अवगत करवाया गया।

बीडीओ साहब द्वारा मेट से इस बारें मे पूछा गया तो उसने पैसा लेने की बात से साफ इन्कार कर दिया। ओर कहा कि वह महिला आप से मेरी झूठी शिकायत कर रही है। बीडीओ साहब ने आफिस में फोन पर बताया की उन महिलाओ की मुझे सूची मुझे भेज दिजिए जिनसे मेट ने पैसा लिया है। प्रेमवती द्वारा सभी महिलाओ की सूची भेजी गई तो मेट ने महिलाओ को भडकाना शुरू कर दिया की आप मेरे खिलाफ मत बोलना मै आपका पैसा वापस कर दूगां प्रेमवती ने कहा आप अगर मेट के कहने पर पैसा लेकर मुझे झूठा साबित करोगी, तो मै आगे से आपकी कोई मदद नही करूंगी। बीडीओ साहब द्वारा स्वयं नरेगा के कार्य स्थल पर पहुंच कर महिलाओ से पूछताछ की गई तो सभी महिलाओ ने कहां की मेट हम सभी गरीब महिलाओ से प्रति मिस्टोल सौ रूपया लेता है, साथ ही हमें धमकी देता की आप यदि कोई के कहने पर शिकायत दर्ज करवाओगे तो मैं आपका पैसा काट लूगा। विकास अधिकारी जी ने उसी वक्त मेट को काम से निकाल दिया। सभी बहने बहुत खुश हुई प्रेमवती को धन्यवाद दिया तो प्रेमवती ने कहां कि ''भ्रष्टाचार को दोनो ही बढ़ावा देते है रिष्वत देने वाला भी रिष्वत लेने वाला भी'' इसलिए हमें अपने हक के लिए लड़ना चाहिए पर रिष्वत नही देनी चाहिए।

विशेष गतिविधियॉ

बहिनादूज जश्न बहिनचारे का कार्यक्रम का आयोजन

गांव–गांव पंचायतो तक पहुँचा बहिनादूज का जश्न ....

एकल नारी ने पेंश की बहिनचारें की मिशाल...

- एक दूजे की रक्षा व दुख–सुख मे साथ निभाने का लिया संकल्प
- कार्यक्रम मे 4357 एकल महिला व समाजसेवी व जनप्रतिनिधियों ने लिया भाग।
- मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को एकल महिलाओं द्वारा समस्याऐ लिखकर डाले गये पोस्टकार्ड।

पंचायतो मे गीत गाकर नृत्य कर झूमती व मेंहन्दी लगाकर सामाजिक कुरितियों को तोंडती एकल महिलाऐं

एकल महिलाओं ने राजस्थान के 29 जिलों 75 ब्लाक की 195 पंचायतों मे धूमधाम व जोशपूर्ण तरीके से 16 से 19 नवम्बर 2020 को 5 वॉ बहिनादूज कार्यक्रम ''जश्न बहिनचारें का''मनाया। जिसमें 4357 एकल महिला, जनप्रतिधि एंव समाजसेवी लोगो ने भाग लिया। बहिनादूज कार्यक्रम की शुरुआत नवम्बर 2016 मे कोटा से की गई थी।

आज 5 वर्षो मे बहिनादूज उत्सव ने सभी जाति धर्म वर्ग की बहिनों के दिलों मे अपनी ही एक जगह बना ली है, ओर पिछले वर्ष 5–6 नवम्बर 2019 को जयपुर मे आयोजित बहिनादूज कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी व महिला एंव बाल विकास मंत्री श्रीमती ममता भूपेश जी ने भी शिरकत की थी। ओर उनके द्वारा भी इस कार्यक्रम को बहुत सराहा गया था। प्रतिवर्ष दीपावली के बाद आने वाली भाई दूज के बाद ही यह बहिनादूज मनाई जाती है। इस त्यौहार को मनाने का

उद्देंश्य पितृसत्तात्मक सोच व महिला पुरुष असमानता की भावना मे बदलाव लाना है, क्योंकि हमारें समाज मे महिलाओं को हमेशा दोयम दर्जे पर रखा गया है। हमारे समाज मे जितने भी लम्बी उम्र व खुशहाल जीवन की कामना के लिए व्रत उपवास रखे जाते है वो केवल भाई, पति या बेटे के लिए किये जाते है, लेकिन ऐसा कोई त्योहार नही जो महिला महिला के खुशहाल जीवन लम्बी उम्र की कामना के लिए रखती हो, जिससे महिला का महिला से रिश्ता मजबूत बन सके। एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा इस अनूठे, प्यार व स्नेह भरे त्योहार की शुरुआत इसलिए ही की गई है जिससें साम्प्रदायिक सोहार्द की भावना बढे, महिला का महिला से रिश्ता मजबूत हो वो एक दूसरे के सुख दुख मे हमेश मदद करे।

इस वर्ष 16–19 नवम्बर 2020 को संस्थान कार्यक्षेत्रो मे मनाये जाने वाले इस त्यौहार मे एकल बहिनों सहित अन्य गांव के लोगों व जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बहिनादूज का यह कार्यक्रम संस्थान द्वारा बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। सभी बहिनों द्वारा लालचून्दडी ओढी गई, मेहन्दी लगाई गई व एक दूजे को रक्षा सूत्र बांधकर हर सुख दुख मे एक दूजे की मदद सहयोग का संकल्प लिया गया। कोराना गाईड लाईन की पालना करते हुए ढोल नगाडों नृत्य के साथ जश्न मनाया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित सभी बहिनों को मास्क बांटे गये, व सभी ने मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के नाम एकल महिलाओं की समस्याओं को लेकर 5000 से अधिक पोस्टकार्ड डाले गये। गांव के लोगो ने व जनप्रतिनिधियों ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे काफी सहयोग किया। राजस्थान की एकल महिलाओ की समस्याओं को लेकर एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं द्वारा एकल महिलाओं की समस्याओं का एक ज्ञापन तैयार किया गया। जिस पर 3000 से अधिक एकल महिलाओ हस्ताक्षर किये।

एकल महिलाओं की समस्याओं को लेकर बहिनों ने डाले पत्र व जिसमे लिखी गई समस्याऐं

- खाद्य सुरक्षा पोर्टल मार्च 2020 से बन्द होने के कारण जो भी महिलाऐ पिछले 9 माह मे एकल हुई है, उनका नाम खाद्य सुरक्षा मे नही जुड़ पा रहा है। साथ ही जिन लोगो के नाम मार्च 2020 मे ऑफलाईन एनएफएसए लिस्ट मे जुड़ चुके थे उन्हें ऑन लाईन नाम नही जुड़ने के कारण राशन नही मिल पा रहा। कृपया तुरन्त प्रभाव से खाद्य सुरक्षा पोर्टल शुरु किया जाये।
- खाद्य सुरक्षा मे पॉस मशीन के कारण वृद्ध महिलाओं को अंगूठा निशानी नही आने के कारण बार–बार चक्कर लगाने पड़ते है, जिससे एकल महिलाओं को बहुत परेशानी होती है।
- एकल महिलाओं को आवास की बहुत समस्या है उनको आवास इसलिए नही मिल पा रहा क्योंकि उनके पास मकान बनाने के लिए कोई जमीन नही है। हम आपसे मांग करते है कि एकल महिलाओं को जमीन सहित आवास उपलब्ध करवाया जाये।
- पालनहार योजना की राशि प्रतिमाह पेंशन के साथ ही मिलनी चाहिए, वर्तमान मे 8–9 महिने का पालनहार एक साथ दिया जाता है। साथ ही लोकडाउन होने के कारण स्कूल बन्द है, ओर बच्चो का स्कूल अध्ययन प्रमाण पत्र नही मिलने से कई महिलाओं का पालनहार रुका हुआ है। हमारी मांग है कि यह तुरन्त प्रभाव से लागू किया जाये।
- शराब के ठेके बन्द किये जाये क्योंकि शराब के कारण महिलाओं व बच्चों पर बहुत हिंसा बढ़ रही है। ओर जब थाने मे रिर्पोट दर्ज करवाने जाते है तो घर का मामला बोल कर रिर्पोट दर्ज नही की जाती। आपसे निवेदन है कि आप राजस्थान मे शराब बन्दी करे।
- 60 साल से कम उम्र की एकल महिलाओं की पेंशन राशि 500 रु से बढ़ाकर 2000 रु की जाये।

23 जून महिला सशक्तिकरण दिवस व अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी एकल महिलाओं ने संस्थान के माध्यम से धूमधाम से कोविड –19 की गाईडलाईन की पालना करते हुए जोशपूर्ण तरीके से 23 जून को अर्न्तराष्ट्रिय विधवा महिला दिवस को एकल महिला सशक्तिकरण के रुप में मनाया। जिसमें एकल महिलाओं ने अपनी–अपनी पंचायतों मे एकल महिलाओं के मुद्दों पर बैठके आयोजित की लोगों को इस दिवस का महत्व बताया। साथ ही कोविड के बारें मे लोगो को जागरुक भी किया। इस कार्यक्रम मे इस बार कोविड के कारण पिछले वर्षो की अपेक्षा कम संभागियों 1445 ने ही भाग लिया।

महिला सशक्तिकरण दिवस के कार्यक्रमों के दोरान एकल महिलाओं नें कोविड मे आने वाली समस्याओं उनके प्रयासों व सहयोग के बारें मे चर्चा की, महिला व बच्चियों पर होने वाली यौनिक हिंसा, राशन वितरण व रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। कुछ मुख्य समस्याओं को लेकर एकल महिलाओं ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार व प्रधानमंत्री जी को 1500 से अधिक पोस्टकार्ड डाले।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं पर सामूहिक रुप से पोस्टकार्ड डालते हुए एकल महिलाऐं

बच्चों पर हो रही हिंसा व शोषण के खिलाफ आवाज उठाये

''आवाज अभियान ''चुप्पी तोड़ो आवाज उठाओं

राजस्थान मे पुलिस विभाग द्वारा कई जिलों मे बच्चियों व महिलाओं पर हो रही हिंसा व बलात्कार की घटनाओं को रोकने के लिए लोगो को जागरुक करने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा आवाज अभियान की षुरुआत की जिसमें स्वंयसेवी संस्था, संगठन आदि सभी लोगो को जोड़ा गया। संगठन द्वारा कोटा, अजमेंर, डूंगरपुर आदि कई जिलों मे संगठन सदस्य इस अभियान के साथ जुड़े व बैठके, जागरुकता रैली का आयोजन व बच्चों के साथ संगोष्ठी की गई। जिसमें एकल महिला लीडर्स ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हिंसा व षोषण के प्रति चुप्पी साधना अपराध को निमंत्रण देना है।

आज मेरी बारी है, कल आपकी बारी हो सकती है। आज हमारें समाज मे नैतिक मूल्य गिरते जा रहे है, हमें हमारी पीढी को अच्छे संस्कार देने की जरुरत है। ओर यदि किसी भी प्रकार की हिंसा व अपराध हो रहा है तो उसके खिलाफ आवाज उठाये।

आवाज अभियान के तहत् जागरुकता रैली का आयोजन करते पुलिस विभाग के सदस्य व एकल महिलाऐं

बाल शोषण के प्रति अन्य नेटवर्क के साथ बाल अधिकार सप्ताह मनाया –

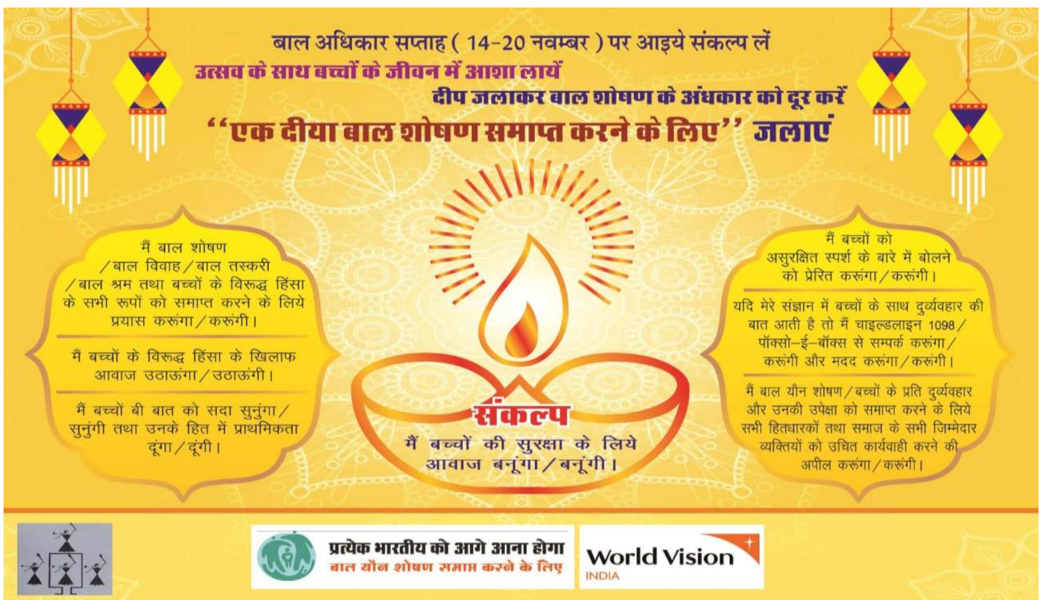

संस्थान द्वारा दिनांक 16–19 नवम्बर, 2020 को बहिनादूज जश्न एक बहिनचारें का कार्यक्रम के दोरान वर्ल्ड विजन संस्थान द्वारा चलाये जा रहे बाल शोषण अभियान के साथ मिलकर एकल महिलाओं द्वारा पंचायत, ब्लाक स्तर पर 7 जिले कोटा, बून्दी, सीकर, झालावाड़, करोली, स0माधोपुर, धोलपुर, जिले की 54 पंचायत में एकल महिलाओं द्वारा आयोजित बहिनादूज कार्यक्रम के दोरान कार्यक्रम मे भाग लेने वाले **1421** संभागी एकल महिलाऐं, अन्य माहिलाऐं व जनप्रतिनिधीयों द्वारा संकल्प लिया गया कि महिला व बाल षोषण/बाल विवाह/बाल तस्करी/बाल श्रम तथा बच्चों व महिलाओ पर होने वाली सभी प्रकार की हिंसाओं को समाप्त करने का संकल्प लिया व बच्चों व महिलाओं के खिलाफ होने वाली सभी प्रकार की हिंसाओं के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने के लिए दृढ संकल्प लिया गया।

संकल्प का दिया जलाती एकल महिलाऐ

हंगर वॉच सर्वे

राईट टू फूड अभियान के साथ मिलकर कोरोना काल व उसके पश्चात् कोटा जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र मे 60 गरीब वंचित परिवारों (दिहाडी मजदूर, फेरी वाले, एकल महिलाओं) का कोरोना काल व उसके बाद ऑनलाईन सर्वे किया गया। सर्वे मे लॉकडाउन के समय व उसके बाद मे उनकी आर्थिक, शरीरिक, पारिवारीक स्थिति का विश्लेषण किया। जिसमें उनकी स्थिति पर्याप्त भोजन प्राप्ति को लेकर, स्वास्थय की दृष्टि व आर्थिक रुप से बहुत दयनीय पायी गई। अभियान के तहत् यह सर्वे कई राज्यों मे किया गया था। जब सर्वे की रिर्पोट आई तो उसे लेकर राजस्थान सरकार के साथ जनसुनवाई के दोरान यह स्थिति रखी गई।

एकल महिलाओं की स्थिति पर शोध

जैसा कि हम सभी जानते है कि कोराना काल मे हर वर्ग के उपर बड़ी भारी मार पड़ी है। जिसने लोगो की कमर तोड़ कर रख दी, ऐसी स्थिति में यदि हम देखे तो एकल महिलाओं की स्थिति आर्थिक व पारिवारिक रुप से ओर भी खराब हो गई। इसलिए संस्थान द्वारा एकल महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक, शरिरीक स्थिति जानने हेतू एकल महिला लीडर्स के सहयोग से राजस्थान के 70 ब्लाकस में 6500 एकल महिलाओं का सर्वे करवाया गया। जिसका डेटा कलेक्शन किया गया। जिसकी रिर्पोट आ आ चुकी कुछ आंकडे रिर्पोट के अन्त मे संलग्न है।

एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

संस्थान द्वारा एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ताओं का प्रशिक्षण 19–20 जनवरी 2021 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर मे आयोजित किया गया। जिसमें 25 संभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ब्लाक नैतृत्वकर्ताओं मे एक नये जोश व उत्साह का संचार, एकल महिलाओं के हित से जुड़ी नई जानकारियॉ देना, संगठन को मजबूती प्रदान करने के प्रयास, नये मुद्दों की पहचान, पंचायत स्तर पर कार्य को ज्यादा से ज्यादा मजबूती प्रदान करना इत्यादि थे।

प्रशिक्षण के दोरान अपनी समूह की प्रस्तुती देती सदस्याऐ

प्रशिक्षण के दोरान नैतृत्वकर्ताओं ने बहुत रुचिपूर्ण तरीके से प्रशिक्षण मे भाग लिया ओर खेल, समूह चर्चा आदि के माध्यम से नयी –नयी बातें सीखी, ओर अन्तिम दिवस मे सभी मे एक नया जोश व उत्साह देखने को मिला, सभी बहिनें ने बताया कि हम सभी ने जो यहॅा सीखा है उसें अपने काम के दोरान उपयोग लेकर अपने काम को मजबूत बनायेगे।

महिला किसान जागरुकता कार्यक्रम व महिला किसान दिवस

दिनांक 14–15 दिसम्बर 2020 को राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान, कोटा मे किसान एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं के प्रशिक्षण मे भाग लिया। जिसमें 25 एकल किसान एकल महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दोरान महिलाओं ने जैविक खेती, महिला किसान अधिकार, किसान सम्बन्धित सरकारी योंजनाओं की जानकारी ली। साथ ही कोटा कृषि विज्ञान केन्द्र, बोरखेड़ा का भी शैक्षणिक भ्रमण किया गया।

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान द्वारा अन्य मुद्दों के साथ– साथ 16 ब्लाकों के 32 पंचायतों मे किसान महिला जागरुकता कार्यक्रम के तहत् भी कार्य किया जा रहा है। जिससें किसान महिलाओं को किसान के रुप मे पहचान मिले उनके अधिकारों का संरक्षण हो सके।

शैक्षणिक भ्रमण – दिनाक 9 मार्च 2021 को ईटावा व कनवास ब्लाक की 22 किसान एकल महिलाओ ने दीगोद ब्लाक के पड़ासलिया गांव मे रुद्र एग्रो बायोटेक इण्डस्ट्रीज जहॉ जैविक खाद् व अजोला घास बनाने का कार्य सीखने हेतू किसान महिलाओं ने भ्रमण किया।

(सफल केस स्टडी)

पिता की जमीन पर बेटी को दिलवाया अधिकार

भाई नही है तो पगड़ी तो मेरे ही बन्धेगी, ओर जमीन पर हक भी मेरा होगा......

आज भी महिलाओं के जमीन सम्पत्ति अधिकार को लेकर कितने भी कानून बन गये हो, परन्तु समाज की सोच आज भी पुरानी है उनको लगता है कि जमीन पर केवल पुरुषों का ही हक हो सकता है। अब वह चाहे पीहर मे हो या ससुराल मे, लेकिन इस सोच मे बदलाव जरुरी है, अब धीरे– धीरें महिला अपने ससुराल के साथ–साथ पीहर मे भी अपने हक लेने की लड़ाई लड़ रही है। ऐसा ही एक केस षान्ति बाई का है –

शान्ति बाई पत्नि गोवर्धन निवासी करलगांव तहसील बकानी, जिला झालावाड़ की निवासी है, 50 वर्ष की विधवा महिला है। शान्ति बाई के पीहर मे कोई भाई नही वह इकलोती लड़की है। और उनके पिताजी के 13 बीघा जमीन है। पिता की मृत्यु के बाद पूरी जमीन शान्ति बाई को मिल गई। शान्ति बाई के 3 लड़किया व 2 लडके है। जिनमे से सबसे बड़ा लड़का मानसिक रोगी है व दूसरा सबसे छोटा है। शान्ति बाई की पति की मृत्यु 2017 मे हो गई। जब षान्ति बाई का पति जिन्दा था तो वह उस जमीन पर खेती करता था। पति की मृत्यु के बाद जब कुछ समय शान्ति बाई खेत पर नही गई तो इस बीच मे शान्ति के ताउजी के लड़के ने 13 बीघा जमीन बो दी और कब्जा कर लिया। षान्ति बाई ने खूब लड़ाई लड़ी पर जमीन देने को तैयार नही था, बोला की आपके पति ने कहॉ है कि मेरे मरने के बाद तू ही फसल करना इस जमीन पर , शान्ति बाई बहुत परेशान हो गई। बिना पति के उससे जमीन लेना मुश्किल था। ऐसे मे पंचायत मे जब एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा एकल महिलाओं की मिटिंग इुई तो उसने वहॉ पर आकर अपनी पूरी बात बतायी, ओर अपनी समस्या एकल महिला लीडर्स के सामने रखी। एकल महिला लीडर्स ने ताउजी के लड़के व उनके परिवार को बहुत समझाया परन्तु वह मानने को तैयार नही था। ऐसे मे संस्थान सदस्यों के सहयोग से एसडीएम कार्यालय मे केस दर्ज करवाया गया। फिर दो साल उसकी तारीख पड़ी उसके बाद जमीन वापस षान्ति बाई को मिलने का आदेष निकाला गया।

लेकिन उसके बावजूद भी ताउजी के लड़के ने कब्जा नही दिया, कुछ समय बाद गांव मे सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत् शिविर लगा ओर जब एसडीएम उस शिविर मे आया तो संस्थान की लीडर्स सदस्यों ने उसे घेर लिया व कब्जा नही देने की षिकायत की। ऐसी स्थिति मे प्रशासन द्वारा कब्जा दिलवाया गया। अब शान्ति बाई व उनका परिवार बहुत खुश है कि ओर उन्होंने कहा कि पति की मृत्यु के बाद मे टूट गई थी। लेकिन एकल नारी षक्ति सस्थान ने मेरी जमीन दिलवाकर मुझे मेंरे परिवार की रोजी रोटी दिलवा दी।

अन्य स्वंयसेवी संस्था/संगठनों के साथ नेटवर्किगं

कं सं0	दिनांक	कार्यक्रम विवरण	संभागी
1	15–30 सित0 20	राईट टू फूड केम्पेन के तहत् हंगर वॉच सर्वेक्षण के दोरान कोटा जिले मे ग्रामीण व षहरी क्षेत्र मे वंचित व गरीब परिवारों का ऑनलाईन सर्वे किया।	4 संस्थान वोलियन्टरर्स ने भाग लिया। 60 परिवारों का कोविड के समय व बाद मे सर्वे किया।
2.	18 अक्टूबर से 30 नवम्बर 2020 तक	आवाज कार्यक्रम अभियान, कोटा पुलिस विभाग व राज0 के अन्य जिले एक साथ मिलकर बच्चो व महिलाओं पर होने वाली हिसा के विरोध मे जागरुकता रैली व बैठके संस्थान द्वारा चाईल्ड लाईन, पुलिस विभाग, लायन्स क्लब के सहयोग से आयाजित की गई।	12 संस्थान वोलियन्टर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम मे संभागी 450 से अधिक।
3	24 व 25 नव0, 20	सूचना व रोजगार अभियान के साथ मिलकर 24 को संस्थान वोलियन्टर्स ने टीओटी मे भाग लिया व 25 नव0 को 13 सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक, मे सन्दर्भ व्यक्ति के रुप मे दो संस्थान लीडर्स ने सन्दर्भ दिया व कार्यशाला आयोजित की ।	कार्यशाला मे 15 संभागियों ने भाग लिया व संस्थान से 2 संन्दर्भ व्यक्तियों ने भाग लिया।
4	16 से 19 नव0 20	बहिनादूज कार्यक्रम के दोरान वर्ल्ड विजन संस्था के साथ मिलकर एक दिया बाल हिंसा व शोषण को रोकने के लिए संकल्प अभियान भी मनाया गया।	7 जिलो की 54 पंचायत व 1421 संभागी।
5	23 फर0 2020	मिलन मेला, कोटड़ा मे एकल महिला लीडर्स ने भागीदारी निभाई।	50 संभागी
6.	8 मार्च 2021	संस्थान की एकल महिला कार्यकर्ता वोलियन्टर्स ने अन्य संस्था संगठनों के कार्यक्रमों मे महिला सशक्तिकरण के उपर सन्दर्भ प्रदान किया। व सस्थान द्वारा भी महिला दिवस मनाया गया।	सन्दर्भ देने जाने वाले : 15 कार्यकर्ता

महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र – कोटा

राजस्थान सरकार द्वारा 2011 मे महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर संचालित करने की जिम्मेदारी एकल नारी शक्ति संस्थान को दी गई है। संस्थान पिछले 11 सालो से केन्द्र का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

विशेंष : इस वर्ष राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2020–2021 मे केन्द्र संचालन के लिए किसी अन्य संस्थान का चयन किया गया था, ओर संस्थान द्वारा अन्य संस्थान को केन्द्र हेन्डओवर करने की पूरी तैयारी की जा चुकी थी, परन्तु आखिरी समय पर जिला कलेक्टर व महिला अधिकारिता विभाग के परियोजना अधिकारी द्वारा संस्थान के 11 वर्ष से सफलतापूर्वक संचालन को देखते हुऐ, वापस से इस केन्द्र संचालन की जिम्मेदारी एकल नारी षक्ति संस्थान को दी गई, जो कि संस्थान के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण रहा।

केन्द्र को 297 प्रकरण प्राप्त हुऐ जिनमें सलाह, परामर्ष व मार्गदर्शन देकर समस्या का निदान किया गया। मुख्य रुप से कुछ आकड़े है –

- 297 केन्द्र पर आने वाली पिड़ित महिलाओ कों सलाह, परामर्श व मार्गदर्शन देकर समस्या का निदान किया गया।
- 15 महिलाओ को स्त्रीधन दिलवाने मे सहयोग।
- 8 महिलाओं की डीआईआर भरी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत् केस कोर्ट मे प्रक्रियाधीन है।
- 10 महिलाओ को उनके बच्चो की अभिरक्षा संरक्षण दिलवाया।
- 14 एफआईआर व पुलिस परिवाद दर्ज करवाने मे सहयोग जिनमे समस्या आ रही थी।
- 5 निराश्रित महिलाओं को आश्रय दिलवाया।
- .....महिलाओं को वैवाहिक घर मे रहने के महिला अधिकारो का संरक्षण।
- 11 महिलाओ को विधिक सहायता दिलवायी।
- अन्य विभिन्न प्रकार की समस्या मे सलाह, मार्गदर्शन व परामर्श के माध्यम से पिड़ित महिलाओं को सहयोग किया।

संस्थान की इस वर्ष उपलब्धियॉं

संस्थान सदस्यों द्वारा एकत्रित डोनेशन रिकार्ड 2020–2021

☞ सदस्यों द्वारा स्थानीय स्तर पर चन्दा की गई राशि चेक व केश	:	4,03,876.00
☞ महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, संचालन का आया	:	2,75,904.00
☞ सीआईआई फाउन्डेशन द्वारा प्राप्त	:	6,75,450.00
		....
इस वर्ष का कुल डोनेशन	**=**	**13,55,230.00**

एकल महिला लीडर्स व वोलियन्टरर्स के सहयोग से एकल महिलाओं को मिले सहयोग व लाभ के वार्षिक आंकड़े

क.सं.	विवरण		लाभार्थीयों की संख्या
1	कितने पेंशन फार्म भरे	विधवा	2806
		स्वीकृत हुए	1460
		वृद्धावस्था	1460
		स्वीकृत हुए	616
		परित्यकता	396
		स्वीकृत हुए	217
		विकलांग	354
		स्वीकृत	162
3	कितनी रूकी हुई पेंशन शुरू हुई	विधवा	2054
		वृद्धावस्था	1279
		परित्यकता	362
		विकलांग	0
4	कितनी एकल महिलाओं को संगठन ने सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं से लाभ दिलाने में मदद की	पन्ना धाय जीवन अमृत योजना फार्म भरे	490
		स्वीकृत हुए	85
		विधवा पालनहार योजना फार्म भरे	1333
		स्वीकृत हुए	597
		निराश्रित बाल–गृह योजना फार्म भरे	0
		स्वीकृत हुए	0
		विधवा पुर्नविवाह योजना फार्म भरे	123
		स्वीकृत हुए	36
		विधवा की पुत्री की शादी के फार्म भरे	313
		स्वीकृत हुए	114
		बी.पी.एल सूची में नाम जुड़वाने के लिए अपील की।	453
		स्वीकृत	0
		राशन की दुकान से अनाज मिला	5593
		काम/रोजगार मिला	6352

		जॉब कार्ड बनवाये	1433
		इन्दिरा आवास योजना के फार्म भरवाये	836
		स्वीकृत हुए	366
		स्वास्थ्य लाभ हेतु– 1. मुफ्त दवा दिलवाई	3433
		2. ऑपरेशन करवाये	517
5	प्रमाण पत्र बनवाये	मृत्यु प्रमाण पत्र	836
		जन्म प्रमाण पत्र	805
		मूल निवासी प्र0 पत्र	785
		जाति प्रमाण पत्र	924
		आय प्रमाण पत्र	699
		विवाह पंजीयन करवाये	163
6	ग्रामीण विकास कार्य करवाये	हेड़पम्प लगवाये,	215
		खरंचा बनवाया,	63
		बिजली लगवायी	203
		शौचालय बनवाये	0
		जनाधार कार्ड बनवाये	0
		आधार कार्ड बनवाये	0
		गैस कनेक्शन दिलवाये	711
		अन्य	
7	कितनी एकल महिलाओं को जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन दिया		6720 + 4033
8	समझाईश के लिए कितने केस आये व किस प्रकार के?		59
	कितने केसों में सफल समझाईश की?		29
9	कितने महिला अत्याचार/ हिंसा के कितने केस आए	शारीरिक अत्याचार /हिंसा	39
		मानसिक अत्याचार /हिंसा	29
		यौनिक हिंसा	01
10	कितने महिला अत्याचार के कितने केस निपटाए	शारीरिक अत्याचार /हिंसा	15
		मानसिक अत्याचार /हिंसा	17
		यौनिक हिंसा	0

11	कितने जमीन संबधी केस आए	जमीन का बंटवारा	29
		जमीन पर कब्जा	14
12	कितने जमीन संबधी केस निपटाए	जमीन का बंटवारा	7
		जमीन पर कब्जा	14
		अन्य	03
13	बाल यौन हिंसा अपराध संबन्धित जागरूकता।	यौन हिंसा व बच्चों पर होने वाले अपराध के प्रति कितने स्कूलों में जानकारी दी।	02
		कितने बच्चों को जागरूक किया।	0
14	पोषाहार संबन्धित जानकारी	कितने स्कूलों में मिड–डे मील की स्थिति जानी	0
		कितने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषाहार की स्थिति जानी।	0
15	कितने इंतकाल खाते खुलवाए		78
16	कितने पुलिस केस करवाए	महिला अत्याचार	31 3 निपटाये
		जमीन संबंधी	05 1 निपटाया
		अन्य	

मै अबला नादान नही हूॅ, दबी हुई पहचान नही हूॅ
स्वाभिमान से जीती हूॅ , रखती अंदर खुद्दारी हूॅ
मै सशक्त एकल नारी हूॅ.......।

इस वर्ष संस्थान के मुख्य मुद्दें व चुनौतियॉः

इस वर्ष संस्थान के कार्य करने के मुख्य मुद्दें निम्नलिखित रहे –

- कोराना काल मे अधिक से अधिक लोगों को सहयोग व राहत पहुॅचाने मे सहयोग।
- सरकार द्वारा समय–समय पर जारी आदेश व गाईडलाईन्स व योंजनाओं के प्रति जागरुक करना व लाभ दिलावाने के प्रयास।
- आजिविका, रोजगार, का मुद्दा।
- अधिक से अधिक एकल महिला व वंचित लोगों को नरेगा, खाद्य सुरक्षा व पोषाहार से जोड़ना।
- स्वास्थ्य का मुद्दा।
- एकल महिला क्षमतावर्धन करना व नये नैतृत्वकर्ताओं की पहचान।
- अधिक से अधिक गरीब एकल महिलाओं तक संस्थान की पहुॅच व उनकी समस्या का समाधान करना, व उनको उनका अधिकार दिलवाने का प्रयास।

❒ चुनौतियां –

- नयी कार्यकारिणी को वित्तीय प्रबन्धन व प्रशासनिक व्यवस्था क्षमतावर्धन करना।
- संस्थान के लिए एफसीआरए लेना।
- कोरोना के कारण सामूहिक गतिविधियॉ आयोजित नही हो पाना।
- क्षेत्र मे आवागमन के साधनों की कमी।
- कोरोना मे रोजगार की समस्या का समाधान करना।
- लोगो की स्वास्थ्य सुविधा तक पहूॅच।

❒ प्रकाशन –

एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा एकल महिला नैतृत्वकर्ता व वोलियन्टर्स का स्वास्थ्य बीमा करवाया गया।

क्रं	कार्यकर्ताका नाम	उम्र	जिला
1.	ममता	32	बून्दी
2.	अकीला बानो	40	कोटा
3.	कमलेश कंवर	44	भीलवाडा
4.	रेखा पराशर	48	भीलवाडा
5.	रेशमा बानो	30	टोंक
6.	ममता	51	बांरा
7.	कविता	29	चुरू
8.	छोटी देवी	38	स.मा.
9.	पार्वती देवी	52	भीलवाडा
10.	लाली धाकड	52	भीलवाडा
11.	जमीला बानो	35	कोटा
12.	प्रेमलता जी	53	टोंक
13.	जतन देवी	34	झालावाड
14.	माया देवी	36	अलवर
15.	शकुन्तला जी	54	टोंक
16.	हंसा देवी	59	टोंक
17.	सरोज देवी	36	अलवर
18.	शमीम बानो	52	कोटा
19.	विधा पारीक	59	बांरा
20.	सुनिता सैन	36	बून्दी
21.	रेखा शर्मा	47	हनुमानगढ
22.	पुष्पा देवी	64	जयपुर
23.	सुनिता मीणा	35	सीकर
24.	मंशा देवी	43	झालावाड
25.	लीला देवी	44	झालावाड
26.	कमला शर्मा	54	दौसा
27.	गोलू देवी	36	बुन्दी
28.	राजकौर	32	गंगानगर
29.	फुलवती देवी	51	भरतपुर
30.	प्रेमवती	51	धौलपुर
31.	कुन्ती देवी	49	धौलपुर
32.	सरोज कंवर	40	झुन्झुनु
33.	शन्ति बाई	53	दौसा
34.	उर्मिला देवी	50	भरतपुर
35.	किरण देवी	35	सीकर
36.	सन्तोष कंवर	37	झुन्झुनु
37.	नन्दकंवर	54	बांरा
38.	मानकंवर	38	कोटा
39.	ममता	35	झालावाड
40.	विष्णु कंवर	53	दौसा
41.	सावित्री देवी	60	टोंक
42.	ममता देवी	39	स.मा
43.	चन्द्रकला षर्मा	42	कोटा
44.	जमीला बानु	47	सिरोही
45.	कचरी	39	बांसवाडा
46.	मोहिनी देवी	37	पाली
47.	रतु	32	बाडमेर
48.	पपु देवी	38	बाडमेर
49.	कला देवी माली	57	राजसमन्द
50.	रेखा	33	बांसवाडा
51.	कमला देवी / सत्यनारायण	57	अजमेर
52.	कमला देवी / कानमल	54	अजमेर
53.	रूपी देवी	57	पाली
54.	कमला देवी / तिलोकाराम	27	जोधपुर
55.	गीता देवी / नोरतमल	61	अजमेर
56.	गीता देवी / सखनलाल	39	पाली
57.	ममता सिंह	48	अजमेर
58.	मंजुलायादव	46	डुंगरपुर
59.	हिना बानो	23	जालोर

60.	सन्तोष	41	नागोर
61.	लक्ष्मी अहारी	38	डुंगरपुर
62.	सुनिता देवी	39	अजमेर
63.	दरियावदेवी	37	जोधपुर
64.	कल्पना देवी	55	डुंगरपुर
65.	मोहिनी देवी	65	अजमेर
66.	मेना देनी	47	अजमेर
67.	उर्मिला बाई	36	राजसमन्द
68.	नुरजहां मंसुरी	46	चितोड
69.	सीता देवी	38	कोटडा उदयपुर
70.	रसीदा मेहरू निसार	36	चित्तोड़गढ़
71.	पार्वती देवी	56	उदयपुर
72.	कमला/धुलिया	39	बांसवाडा
73.	सेवली	56	उदयपुर
74.	धनु मीणा	50	उदयपुर
75.	सकन देवी रोत	57	डुंगरपुर
76.	गीता कटारा	42	डुंगरपुर
77.	सीता देवी	47	पई उदयपुर
78.	भंवरी	65	झाडोल उदयपुर
79.	मीरा बाई	54	देवला उदयपुर
80.	गायत्री	31	पाली
81.	पारस लोहार	47	राजसमंद

दैनिक भास्कर

PAGE 4 PAGE 5 PAGE 6 PAGE 7 PAGE 8

मंडे पॉजिटिव एकल नारी शक्ति संगठन से जुड़ी तीन महिलाओं की कहानी

खुद सक्षम नहीं थी, फिर भी भामाशाहों के सहयोग से की जरूरतमंदों की हरसंभव मदद

सिटी रिपोर्टर | कोटा

आर्थिक संकट से जूझ रही महिलाओं ने ऐसा कारनामा कर दिखाया कि लॉकडाउन में करीब दो महीने तक गरीबों के चूल्हे जले। ये महिलाएं अपने पास से मदद नहीं सकती थीं, ऐसे में महिलाओं ने भामाशाहों को जोड़ा और उनके सहयोग से गरीब परिवारों को राहत सामग्री पहुंचाई।

राज्य समन्वयक चंद्रकला शर्मा ने बताया कि एकल नारी संगठन ने भी लॉकडाउन के दौरान भामाशाहों व महिलाओं के सहयोग से 350 परिवारों को 1 महीने की पूरी राशन सामग्री बांटी, जिसके प्रत्येक किट की लागत 1900 रुपए थी।

मोहल्ले में लोगों को भूखा देखा तो मदद के लिए जुट गईं गीता प्रजापति

गीता प्रजापति (50) प्रेमनगर कुम्हारों के मोहल्ला में रहती हैं। पति ने दूसरी शादी की थी। पहली पत्नी के बच्चों ने पति की मृत्यु के बाद घर से निकाल दिया, जिसका केस चल रहा है और अभी गीता किराए मकान में रह रही हैं। उनके पति की मृत्यु भी पांच साल पहले हो गई। शुरू से सेवा का भाव था। 1 साल पहले एकल नारी संगठन से जुड़ी। अब जब लॉकडाउन हुआ और मोहल्ले में ही लोगों की हालत देखी, कई घरों में खाने को अन्न नहीं बचा था। कहीं से राहत नहीं मिल पा रही थी। उस समय एक दो साथियों को लोगों की मदद के लिए जागरूक किया। उन्होंने 2 महीने तक 40 लोगों को खाना बनाकर खिलाया और 40 लोगों को राशन सामग्री दी।

रोजे में भी गांवों में पैदल जाकर राशन बंटवाया

अकीला बानो विधवा है। पिछले 8-10 साल से संगठन से जुड़ी है। अकीला बताती हैं कि लॉकडाउन में सब बंद हो गया तो रोजे होने के बाद भी कई किमी पैदल चलकर गांव में लिस्ट बनाकर भामाशाह से भूखे वंचित लोगों को राशन बंटवाया।

गजराज ने 520 परिवारों तक पहुंचाया राशन

गोविंदनगर निवासी 66 साल की गजराज कंवर ने लॉकडाउन में कमजोर परिवारों की हालत देखी तो मदद आगे आई। हर परिवार की लिस्ट बनाई। भामाशाहों से मदद मांगी। 520 परिवारों की राशन पहुंचाया। इसमें पोती तेज कंवर ने पूरा सहयोग किया।

संस्थान का मिडिया कवरेज

जननायक — कोटा : गुरुवार 19 नवम्बर 2020 — 3 — कोटा शहर

महिला की लम्बी उम्र की कामना व खुशहाल जीवन की कामना क्यों नहीं

बहिना दूज मनायेंगे नई पहचान बनायेंगे...

भीलवाड़ा पत्रिका — 11 — राजस्थान पत्रिका — भीलवाड़ा, शुक्रवार, 20 नवंबर, 2020

एकल नारियों ने की हिस्सेदारी

एकल नारी शक्ति संगठन ने बहन दूज कार्यक्रम मनाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

पंडेर. एकल नारी शक्ति संगठन राजस्थान द्वारा पंडेर क्षेत्र के टिटोड़ी गांव में बहन दूज कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वार्ड पंच माधु लाल की अध्यक्षता में तथा संगठन की बहना तारा जैन व दोनों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसमें एकल नारियों ने भाग लिया तथा उपस्थित बहनों के तिलक लगाकर व रक्षा सूत्र बांधा

पंडेर क्षेत्र के टिटोड़ी ग्राम पंचायत में बहन दूज कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं।

कोटा। शुक्रवार 17 जनवरी 2020 — चम्बल संदेश

अस्पताल में हुई बच्चों की मौत पर परिजनों को मिले मुआवजा

जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

संदेश न्यूज। कोटा. जेकेलोन में बच्चों की हुई मौत के मामले में जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान ने जिला कलक्ट्री पर प्रदर्शन कर पीड़ित को उचित मुआवजे की मांग की है।

संस्था की चन्द्रकला शर्मा ने बताया कि जेकेलोन में लगातार अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से मासूमों की मौत हो रही है। उन्होंने क्षतिपूर्ति के रूप में प्रत्येक मासूमों की मौत से पूर्व परिजनों ने उनका उपचार कराया जिसमें काफी खर्चा हो गया है। सरकार को उन्हें मुआवजा देना चाहिए, वहीं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि अस्पताल में एक शिकायत केन्द्र होना चाहिए ताकि वहां पीड़ित अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। उन्होंने कहा कि जेकेलोन में स्वास्थ्य सेवाएं ठीक से संचालित नहीं की जा रही। जहां पर भी कमियां हैं उन्हें दूर करना चाहिए। बच्चे के परिजन को पांच-पांच लाख रुपए दिए जाने की मांग की है।

दैनिक भास्कर — जयपुर, शनिवार 21 नवंबर, 2020 | 16

बहिनादूज अभियान के तहत बहिनों...

टोंक। एकल नारी शक्ति संस्थान की ओर बहिना...

घटनाए बढ़ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार हर... व शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ता है।

04 — राजस्थान पत्रिका patrika.com — श्रीगंगानगर, बुधवार, 18 नवम्बर, 2020

बहिना दूज कार्यक्रम का किया आयोजन

भादरा. स्थानीय आर्य समाज भवन में मंगलवार को एकल नारी शक्ति संगठन की ओर से बहिनादूज उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीडीएस ग्रुप संचालक बलवन्त सैनी, पालिका सामुदायिक समन्वयक रविन्द्रप्रताप सांखला रहे। कार्यक्रम में एकल नारी संगठन की अध्यक्षा रेखा शर्मा ने अन्य उपस्थित महिलाओं के तिलक करके रक्षासूत्र बांधा। महिलाओं को सम्बोधित करते हुए संगठन अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि समाज में विधवा महिलाओं, एकल नारी के प्रति फैली दुर्भावनाओं व कुरीतियों पर अंकुश लगाकर सकारात्मक सोच के साथ सद्भावना पूर्ण वातावरण बनाने की आवश्यकता है। संगठन पदाधिकारी कुमारी जुलफेन शेख, ममता बुडेला, सुशीला सोनी, शारदा देवी, केसर देवी को चुना गया। कार्यक्रम में औंकारदत्त पारीक, अनिल नाई, वीरेन्द्र नेहरा, संजू गोड़, सुरेन्द्र शास्त्री सहित महिलाएं उपस्थित रही।

भादरा. बहिनादूज कार्यक्रम में मौजूद संस्था के पदाधिकारी।

नेशनल एक्सप्रेस — विविध एक्सप्रेस — नई दिल्ली, बुधवार 22 अप्रैल 2020

एकल नारी शक्ति संस्थान की ओर से एकल महिला, गरीब विधवा महिला, वचिंत वर्ग की महिलाओं को बाटे राशन के किट

न्यूज ब्रीफ

भोजन वितरण का कार्य निरंतर लॉक डाउन तक जारी रहेगा

कोटा। एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा सीआईआई फाउंडेशन व पेप्सिको के सहयोग से कुन्हाड़ी बापू नगर एवम खेड़ली फाटक क्षेत्र की 14 बस्तियों में संस्थान सदस्यों द्वारा सर्वे सूची के आधार पर आज प्रताप मैरिज गार्डन पर गरीब विधवा महिला, एकल महिलाओं, दिहाड़ी मजदूर जिनके पास राशन की व्यवस्था नहीं है उन्हें एक माह की राशन सामग्री के किट बांटे गये। एकल नारी संस्थान की प्रदेश कोडीनेटर श्रीमती चन्द्र कला शर्मा ने बताया राशन सामग्री में 20 किलो आटा, 5 किलो तेल, 5 किलो चावल, 2 किलो शक्कर, 500-500 ग्राम मसाले व आवश्यक सामग्री के साथ पूरे परिवार के सदस्यों के लिए राशन है साथ ही कोरोना संक्रमण से बचने के लिए मुह पर बांधने के लिए पूरे परिवार के लिए मास्क भी वितरित किये गए। एकल नारी संस्थान द्वारा 18 अप्रेल से अब तक 450 से अधिक राशन किट सामग्री का वितरण किया जा चुका है।

दैनिक भास्कर

PAGE 4 PAGE 5 PAGE 6 PAGE 7 PAGE 8

मंडे पॉजिटिव ■ एकल नारी शक्ति संगठन से जुड़ी तीन महिलाओं की कहानी

खुद सक्षम नहीं थी, फिर भी भामाशाहों के सहयोग से की जरूरतमंदों की हरसंभव मदद

मोहल्ले में लोगों को भूखा देखा तो मदद के लिए जुट गई गीता प्रजापति

रोज़े में भी गांवों में पैदल जाकर राशन बंटवाया

रमज़ान में 520 परिवारों तक पहुंचाया राशन

एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा एकल महिलाओं पर किये गये सर्वे की रिर्पोट के डेटा

कोविड कॉल मे संस्थान द्वारा एकल महिलाओं की स्थिति जानने हेतू 4889 एकल महिलाओं का 50 ब्लाकों 53 पंचायतों में सर्वे किया गया।जिसमें मुख्य रुप से निकल कर आयें आकड़े।

धर्म

हिन्दू	मुस्लिम	सिख	इसाई	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
4597	167	7	1	117	4889

- सर्वे में अधिकतर हिन्दू धर्म के लोगो ने भाग लिया |

वैवाहिक स्थिति

विधवा	परित्यक्ता	विवाहित	अविवाहित	तलाक सुधा अन्य	अन्य	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
4200	203	11	23	32	57	363	4889

- सर्वे में 86% विधवाओ ने भाग लिया |
- 7% लोगो ने इस सर्वे में कोई प्रतिक्रिया नही ली |

संगठन मे सदस्य

हाँ	नही	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
3023	1059	807	4889

- 62% लोग किसी न किसी सगठन से जुड़े हुए है |
- 22% लोग ऐसे है, जो किसी भी सगठन से नही जुड़े हुए है |

संगठन मे पद

आम सदस्य	जिला कमिटी	ब्लॉक कमिटी	जिला स्तर	ब्लॉक स्तर	राज्य स्तर	रास्ट्रीय स्तर	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
2700	19	550	3	0	41	9	1567	4889

- सर्वे में 55% लोग आम सदस्य के पद पर है और 11% लोग ब्लॉक कमिटी के पद है |
- 32% लोगो ने इस सर्वे के प्रति कोई प्रतिक्रिया नही थी |

कहॉ रहती हैं

पीहर	सुसराल	किराया	अन्य	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
127	4627	1	22	112	4889

- 95% लोग अपने सुसराल में रे रहे है , और 3% लोग अपने पीहर में जाकर रहने लग गए |

परिवार का मुखिया

स्वयं	पति	माँ - बेटा	अन्य	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
3931	2	3	324	629	4889

- 80% लोग स्वयं ही परिवार के मुखिया है |
- 13% लोगो ने इस सर्वे में कोई प्रतिक्रिया नही थी |

18 वर्ष से छोटे बच्चों कि स्कूल से नामांकन से सम्बन्धित जानकारी

किश्त जमा कर पा रहे है

नामांकित	नामांकित नहीं	व्यस्क	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
1266	2440	654	529	4889

- 26% लोग ही नामांकित है, जबकि 50% लोग कही नामांकित नही है |
- 11% लोगो ने इस सर्वे के प्रति कोई प्रतिक्रिया नही दी |

किसी समूह से जुड़े है

हाँ	नहीं	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
455	3948	486	4889

- 9% लोगो ने ऋण लिया जबकि 81% लोगो ने कोई ऋण नही लिया |
- 10% लोगो ने ऋण के प्रति कोई प्रतिक्रिया नही दी |

ऋण कहॉ से लिया

सोसाइटी	महिला समूह	बैंक	प्राइवेट कंपनी / फाइनेंस कंपनी	बचत समूह	[illegible]	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
3	130	105	29	18	11	4593	4889

- अधिकतर लोगो ने ऋण कहाँ से लिया इस पर कोई प्रतिक्रिया नही दी |
- 3% लोगो ने महिला समूह व 2% ने बैक से ऋण लिया है |

किश्त जमा कर पा रहे है

हाँ	नहीं	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
69	846	3974	4889

- अधिकतर लोगो ने किश्त जमा करने पर कोई प्रतिक्रिया नही दी |
- 17% लोगो का कहना था की वो किश्त जमा नही करवाते है |
- मात्र 1% लोग ही किश्त जमा कर पा रहे है |

कमाने के लिए बहार जाते है

हाँ	नहीं	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
639	3549	701	4889

- 73% लोग बहार कमाने नही जा रहे है |
- 14% लोग बहार कमाने पर कोई प्रतिक्रिया नही दी |
- 13% लोग बहार कमाने के लिए जाते है |

लोकडाउन के अन्दर किसी की जॉब खोई

हाँ	नहीं	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
2814	1751	324	4889

- 58% लोगो ने लॉकडाउन के दौरान जॉब गई है |
- 36% लोगो ने लॉकडाउन के दौरान जॉब नही गई है |
- 7% लोगो ने लॉकडाउन के दौरान जॉब पर कोई प्रतिक्रिया नही दी |

खर्चा

बढ़ा	घटा	उतना ही रहा	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
2199	582	313	1795	4889

- 45% लोगो का कहना है की इस लॉकडाउन के दौरान खर्च बढ़ा है |
- 12% लोगो का कहना है की इस लॉकडाउन के दौरान खर्च घटा है, जबकि 6% लोगो का कहना है की कोई बदलाव नही हुआ |
- 37% लोगो ने इस लॉकडाउन के दौरान खर्च पर कोई प्रतिक्रिया नही दी |

महामारी के दोरान कोई कमा के बहार से लोटा है

हाँ	नही	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
573	3636	680	4889

- 74% लोग इस महामारी में बहार से कमा के वापस घर नही लोटे है |
- 12% लोग इस महामारी में बहार से कमा के वापस घर लोटे है |
- 14% लोग इस महामारी में बहार से कमा के वापस घर लोटने पर कोई प्रतिक्रिया नही दी |

वापस शहर लोट गये

हाँ	नहीं	कोई प्रतिक्रिया नहीं	कुल
341	3347	1201	4889

- 68% लोग इस महामारी में शहर से वापस नही लोट पाए |
- 7% लोग इस महामारी में शहर से वापस लोट पाए है |
- 25% लोग इस महामारी में शहर से वापस लोटने पर कोई प्रतिक्रिया नही दी |